वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 303 | शुक्रवार 1 मार्च 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

5 साल बाद सबसे ठंडा रहा फरवरी

जयपुर. कासं

राजस्थान में इस सीजन सर्दी की शुरूआत कमजोर रही। नवंबर, दिसंबर और जनवरी में सर्दी औसत से कम रही। इस बार दिसंबर-जनवरी में सीकर, चूरू और झुंझुनूं में तापमान जमाव बिंदु तक भी नहीं पहुंचा। इसे देखकर अनुमान जताया जा रहा था कि फरवरी के दूसरे सप्ताह से गर्मी का सीजन शुरू हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। फरवरी में उम्मीद से थोड़ी ज्यादा ठंडक रही। पिछले 5 साल का रिकॉर्ड देखें तो इस सीजन फरवरी में सर्दी ज्यादा लंबे समय तक रही। अधिकांश शहरों में दिन का औसत तापमान भी नीचे रहा। रेगिस्तानी इलाके बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर और चूरू में भी इस सीजन दिन का तापमान साल 2019 के बाद सबसे कम रहा यानी दिन में गर्मी के बजाय ठंडक रही। जैसलमेर में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस से हुई बारिश ने नया रिकॉर्ड बना दिया। राजस्थान में अमूमन फरवरी के तीसरे सप्ताह से तापमान बढ़ने लग जाता है। अजमेर, जयपुर, उदयपुर और श्रीगंगानगर में अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर चला जाता है, लेकिन इस सीजन कोटा को छोड़कर किसी भी शहर का तापमान 32 डिग्री सेल्सियस से ऊपर नहीं गया। कोटा एकमात्र ऐसा जिला रहा, जहां तापमान 35.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। बाड़मेर, जालोर, जैसलमेर और जोधपुर जैसे गर्म इलाकों में भी पारा 32 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा, जबकि बाड़मेर और जैसलमेर में फरवरी में तापमान 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है।

जयपुर से अबू धाबी के लिए शुरू होगी सीधी फ्लाइट

11 जून से होगा फ्लाइट का संचालन, 196 यात्री एक साथ कर सकेंगे सफर

जयपुर. कासं

राजस्थान से अबू धाबी जाने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। जयपुर एयरपोर्ट से अबू धाबी के लिए सीधी फ्लाइट शुरू होने वाली है। यह फ्लाइट हर दिन सुबह 7 बजकर 30 मिनट पर अबू धाबी के जायद एयरपोर्ट से जयपुर पहुंचेगी। जबकि सुबह 11 बजे जयपुर एयरपोर्ट से अबू धाबी के जायद एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरेगी। एतिहाद एयरवेज द्वारा 11 जून से फ्लाइट को शुरू किया जाएगा। यह फ्लाइट प्रतिदिन (सप्ताह में सातों दिन) जयपुर से अबू धाबी और अबू धाबी से जयपुर के लिए उड़ान भरेगी। शुरूआती दिनों में एतिहाद एयरवेज द्वारा 196 यात्रियों की क्षमता वाले विमान (फ्लाइट) का संचालन किया जाएगा।

जयपुर एयरपोर्ट से फिलहाल 22 डोमेस्टिक और चार इंटरनेशनल फ्लाइट का संचालन हो रहा

बता दें कि जयपुर एयरपोर्ट से फिलहाल 22 डोमेस्टिक और चार इंटरनेशनल फ्लाइट का संचालन किया जा रहा है। जो भारत के ही अलग-अलग राज्यों के 22 शहरों को सीधे जयपुर से जोड़ती है। इनमें दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद, चेन्नई, अयोध्या समेत 22 शहर शामिल है। जबकि चार फ्लाइट दुनिया के अलग-अलग शहरों को जयपुर से जोड़ती है। इनमें दुबई, बैंकॉक, मस्कट और शारजाह की फ्लाइट शामिल है जिसकी वजह से जयपुर में प्रतिदिन 120 फ्लाइट का ट्रैफिक मूवमेंट रहता है।

हेरिटेज नगर निगम: मीट की अवैध दुकानें-बूचड़खाने हटाने को स्पेशल टास्क फोर्स

पार्षदों को मिलेंगे 1.5 लाख रुपए तक के इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर

जयपुर. कासं

साधारण सभा को लेक आखिरकार पार्षदों का तीन साल का लंबा इंतजार खत्म होने जा रहा है। 6 मार्च को जयपुर नगर निगम हेरिटेज की दूसरी साधारण सभा की बैठक होने जा रही है। इस बैठक में अवैध बूचड़खाने और मीट की दुकान हटाने के लिए स्पेशल टास्क फोर्स के गठन के साथ ही सफाई कर्मचारियों के लिए डिस्पेंसरी और जन औषधि केंद्र खोलने व पार्षदों को इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर देने, 208 पदों की स्वीकृति सहित 7 प्रस्ताव पर चर्चा होगी। गौरतलब है कि बोर्ड की पहली बैठक फरवरी 2021 को हुई थी। नगर निगम हेरिटेज मेयर मुनेश गुर्जर

का कहना है कि आम पार्षदों की राय के आधार पर साधारण सभा के 7 प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। इन मुद्दों पर सभी जनप्रतिनिधियों के साथ सकारात्मक चर्चा की जाएगी। इससे जयपुर के विकास की रफ्तार को और तेजी से आगे बढ़ाया जा सके। इसके साथ ही आम पार्षदों की समस्याओं पर भी साधारण सभा की बैठक में चर्चा करेंगे। ताकि जल्द से जल्द उनका समाधान हो और आम जनता को राहत मिल सके। खासतौर से धार्मिक स्थल, पर्यटन स्थल, विद्यालय और सार्वजनिक पार्क के निकट चल रहे लाइसेंसी बूचड़खानों और मीट की दुकानों का सर्वे कराने और उनके लाइसेंस भी निरस्त किए पर भी चर्चा होगी। नगर निगम जयपुर हेरिटेज में वार्डों की गलियां बहुत छोटी हैं। पार्षदों को प्रतिदिन जनता के बीच जाना होता है। ऐसे में प्रत्येक पार्षद को एक इलेक्ट्रिक संसाधन नगर निगम जयपुर हेरिटेज उपलब्ध करवाए जाने का प्रस्ताव। इसमें प्रत्येक पार्षद के लिए डेढ़ लाख रुपए की लागत से इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर खरीदा जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया में 1 करोड़ 50 लाख खर्च होंगे। 50 लाख रुपए की लागत से निगम के सफाई कर्मचारियों के लिए मुख्यालय में एक डिस्पेंसरी और प्रधानमंत्री जनऔषधि केंद्र खोलने का प्रस्ताव।

समन्वय सद्भावना संगठन
दिगम्बर जैन महासमिति
दिगम्बर जैन महासमिति
महिला अंचल राजस्थान
महिला दिवस
आज की नारी की
उड़ान
शुक्रवार, दिनांक 1 मार्च, 2024
भट्टारक जी की नसियाँ, जयपुर
दोपहर बजे 12.15 से सायं 6.30 बजे तक
INTERNATIONAL WOMEN'S Day
कार्यक्रम
• दोपहर 12.15 बजे - रजिस्ट्रेशन
• दोपहर 1.00 बजे - मंच आमंत्रण, दीप प्रज्वलन, मंगलाचरण
• दोपहर 1.30 बजे - स्वागत गीत, अतिथि सम्मान, स्वागत
• दोपहर 2.00 बजे - विशेष वक्ता का उद्बोधन
• दोपहर 2.30 बजे - नारी गौरव सम्मान
• दोपहर 3.00 बजे - लघु नाटिका
• दोपहर 3.30 बजे - महासमिति पदाधिकारी उद्बोधन, शपथ ग्रहण
• दोपहर 4.00 बजे - रोचक गेम्स , हाऊजी एवं नृत्य
• दोपहर 5.30 बजे - सामूहिक सहभोज
Udaan
"नारी के सम्मान से ही धर्म-संस्कृति का उत्थान संभव है।"
लघु नाटिका
विद्यावाणी का आगाज़
गौरवमयी उपस्थिति
राष्ट्रीय अध्यक्ष महासमिति
श्री अशोक जी बड़जात्या
गौरवमयी उपस्थिति
राष्ट्रीय महामंत्री महासमिति
श्री सुरेन्द्र जी पाण्ड्या
अंचल अध्यक्ष
अनिल कुमार जैन
I.P.S. (Retd.)
अंचल महामंत्री
महावीर बाकलीवाल
समारोह गौरव
श्रीमती नीना जी पहाड़िया
(श्री प्रमोद जी पहाड़िया)
मुख्य अतिथि
श्रीमती शशी जी सौंगानी
(श्री अतुल जी सौंगानी)
अध्यक्षता
श्रीमती ममता जी सौंगानी
(श्री शांतिकुमार जी सौंगानी) जापान वाले
दीप प्रज्वलनकर्त्ता
श्रीमती मृदुला जी पाण्ड्या
(श्री सुरेन्द्र जी पाण्ड्या)
विशिष्ट अतिथि
श्रीमती अनिला कोठारी
(भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल)
विशिष्ट अतिथि
श्रीमती त्रिशला जी गोधा
(धर्मपत्नी स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा)
पुरस्कार वितरणकर्त्ता
श्रीमती प्रियंका जी सौंगानी
(श्री महेश जी सौंगानी)
..वक्तागण..
श्रीमती राधिका राजवाला
क्राइम ब्रांच
जयपुर
सुश्री विशापा जैन
सहायकचार्य
केन्द्रीय संस्कृत वि. वि.
जयपुर
डॉ. शिवांगी जैन
पैथोलॉजी विभाग
एस.एम.एस.हॉस्पिटल
जयपुर
विशिष्ट अतिथि
श्रीमती मृदुला जी जैन
(रि.प्रो. ऐड डिपार्ट. ऑफ जूलोजी पंजाब.वि.वि.)
विशिष्ट अतिथि
श्रीमती ऋतु जी कासलीवाल
(श्री सुधान्शु जी कासलीवाल)
विशिष्ट अतिथि
श्रीमती पुष्पा जी बिलाला
(श्री पदम जी बिलाला)
आमंत्रित अतिथि सदस्य :
श्री नवीन सेन जी जैन • श्री ज्ञानचन्द जी झांझरी • श्री निर्मल जी संघी
श्री यशकमल जी अजमेरा • श्री प्रकाश जी पटवारी-टोंक
श्री प्रकाश जी जैन-अजमेर • श्री अरविन्द जी झांझरी-सवाईमाधोपुर
श्री विमल जी जौंलावाले-निवाई • श्री मुकेश जी बोहरा-अजमेर
श्री राकेश जी गोदीका • श्री प्रदीप जी जैन • श्री विनोद जी जैन कोटखावदा
श्री धीरज जी जैन • श्री पवन जी पाण्ड्या • श्री चेतन जी जैन निमोड़िया
श्री अमित शाह • श्री कमलेश जी जैन-विधानसभा • श्री देवेन्द्र जी कासलीवाल-जनकपुरी
महिला अंचल अध्यक्ष
श्रीमती शकुन्तला बिन्दायका
श्री महावीर बिन्दायका
95294-21053
महिला अंचल महामंत्री
श्रीमती सुनीता गंगवाल
श्री रमेश गंगवाल
80058-78352
महिला अंचल कोषाध्यक्ष
श्रीमती उर्मिला जैन
श्री राकेश जैन
94134-90487

मशरूम प्रदर्शनी समारोह का आयोजन

कोटा. शाबाश इंडिया। कोटा विश्वविधालय कोटा के सूक्ष्मजीव विज्ञान व जैव प्रौद्योगिकी विभाग के विद्यार्थियों द्वारा विश्वविधालय परिसर में मशरूम प्रदर्शनी समारोहे का आयोजन लीप डे पर किया गया जिसका का उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर नीलिमा सिंह के करकमालो द्वारा किया गया । उन्होंने नई शिक्षा नीति के तहत इंटर्नशिप व रिसर्च के लिए मशरूम कल्टीवेशन की महत्ता पर जोर दिया। इसमें मुख्य अतिथि श्रीमती प्रतिभा श्रृंगी परियोजना अधिकारी विज्ञान और प्रौद्योगिकी केंद्र रही व उन्होने विद्यार्थियों को स्टार्टअप के लिए प्रोत्साहित किया। इसमें डीन पीजी स्टडी डॉ.घनश्याम शर्मा वरजिस्ट्रार डॉक्टर आर के उपाध्याय ने विद्यार्थियों को स्वरोजगार प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनने के लिऐ प्रेरित किया । सूक्ष्मजीव विज्ञान व जैव प्रौद्योगिकी विभाग की समन्वयक डॉ पल्लवी शर्मा ने बताया की विद्यार्थियों ने विश्वविधालय की अपनी प्रयोगशालाओ में मशरूम उत्पादन स्वयं किया । विभाग के छात्र छात्राओ भरत ,दीपक, कुलदीप, रिया, सपना, गुलसनोवर, प्रज्ञा द्वारो ओयस्टर व बटन मशरूम उत्पादन के साथ साथ कॉमर्शियल उत्पाद जैसे नमकीन, मठरी, बिस्किट, मशरूम अचार, प्रोटीन पाउडर, हॉट चॉकलेट पाउडर व सूप बनाया गया । इससे कोटा विश्वविद्यालय के छात्र छात्राएं आसानी से स्वरोजगार प्राप्त करके आत्मनिर्भर हो पाएंगे । कोटा विश्वविद्यालय के अधिकारी व शिक्षक गण डॉ सौरभ दलेला,डॉ नमृता सेगर, डॉ मृदुला, डॉ शिखा दाधीच ,डॉ मनोज गुप्ता]देराश्री जी , डॉ सरिता, डॉ अनामिका, भानु प्रताप, डॉ राजेश ने भी विद्यार्थियों से मशरूम के उत्पाद खरीदे।

कामां में 2 मार्च को दिगम्बर संतों के सानिध्य में होगा पत्रकार सम्मेलन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री शांतिनाथ जिन बिम्ब पंचकल्याणक एवं गुरू मन्दिर प्रतिष्ठा महोत्सव कामां (राजस्थान) के अवसर पर परम पूज्य प्रथम गणिनी आर्यिका परम पूज्य विजय मति माताजी की जन्म स्थली कामां में आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज संसघ (36 पीच्छियों) के सानिध्य में जैन पत्रकारों का राज्य स्तरीय अधिवेशन

कार्यक्रम स्थल कामसैन स्टेडियम में 2 मार्च 2024 दोपहर को जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश जैन तिजारिया जयपुर की अध्यक्षता में होगा। राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने अवगत कराया कि उक्त अधिवेशन में राजस्थान के साथ निकटतम प्रान्तों से पत्रकार शामिल होकर आचार्य श्री का आशीर्वचन प्राप्त करेंगे।

वेद ज्ञान

अच्छे गुणों से जीवन संवारें...

संसार में होकर संसार के न होने की बात भगवान महावीर ने नहीं की। महात्मा गौतम बुद्ध, ईसा, मुहम्मद, नानक, आचार्य तुलसी आदि उन सब धर्म-पुरुषों और मुनियों ने भी यही कहा, क्योंकि उन्होंने जीवन की अतुल गहराइयों में प्रवेश करके उसकी वास्तविकताओं को देखा, समझा और परखा। संसार का मायाजाल मकड़ी के जाल की भांति है। जो जीव उसमें एक बार फंस जाता है, वह निकल नहीं पाता। यही दुख का कारण भी है और केंद्र भी है। पूरे विश्व की स्थिति का आकलन करें, तो पाएंगे कि लोग बहुत दुखी हैं। सबके सामने समस्याएं हैं। समाज में गरीबी, अपराध, हिंसा, लूट, अपहरण, तनाव आदि की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। दूसरी ओर देखेंगे तो पाएंगे कि सुविधा और साधनसंपन्न लोग भी हैं, जो ऐशोआराम का जीवन जी रहे हैं। जीवन के प्रति जैसा हमारा नजरिया होता है, जीवन वैसा ही बनता चला जाता है। विचारक फ्रांकोइस गॉटर ने कहा था-'फूल अपने आप खिलते हैं-हम बस उसमें थोड़ा पानी डाल सकते हैं।' इसी तरह, हर व्यक्ति को अपने जीवन में कुछ नया करने, सपने बुनने और उन्हें साकार करने की तत्परता दिखानी होगी। तभी दुख को सुख में बदला जा सकेगा। जब दुख के कारणों पर विचार करते हैं, तो अजीब-सी स्थिति सामने आती है। कोई परिवार बड़ा होने के कारण दुखी है, तो कोई परिवार न होने के कारण दुखी है। फ्रांस के दार्शनिक रेने देकार्त के अनुसार भुलावे की खुशी हमारे जीवन में कई दफा ज्यादा मायने रखती है, बजाय दुख के। दूसरों पर आरोप लगाना आदमी की सहज वृत्ति होती है। इस बात पर कोई विचार करना नहीं चाहता कि अपने दुख का कारण कहीं मैं स्वयं तो नहीं हूं। 'योर बेस्ट लाइफ नाउ' में जोएल ओस्टीन कहते हैं-'आपको अपने दिमाग में यह बात रखनी चाहिए कि आप परम परमात्मा की संतान हैं और महान चीजों के लिए बनाए गए हैं। ईश्वर ने आपको उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बनाया है और उसने आपको काबिलियत, अंतर्दृष्टि, प्रतिभा, बुद्धि और ऐसा करने के लिए अपनी अलौकिक शक्तियां दी हैं।' इन गुणों से जीवन संवारें।

संपादकीय

समंदर के रास्ते नशे का कारोबार कोई छिपी बात नहीं

दुनिया में सबसे अधिक खतरा अगर किसी चीज से है, तो वह है नशीले पदार्थों का कारोबार। इसी के जरिए आतंकवाद आदि का वित्तपोषण होता है। हर वर्ष लाखों नौजवान अकाल मौत मर जाते हैं। इसलिए सरकारों से अपेक्षा की जाती है कि इस पर रोक लगाने में वे अधिक सतर्कता बरतें। मगर लगता है कि भारत इस कारोबार के लिए सबसे सुरक्षित जगह बनता जा रहा है। नहीं तो, क्या कारण है कि यहां थोड़े-थोड़े दिनों पर ही नशे की बड़ी खेप पकड़ी जाती है। अभी पोरबंदर के बंदरगाह से तैंतीस सौ किलो नशीले पदार्थ की खेप बरामद की गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब दो हजार करोड़ रुपए बताई जा रही है। इससे पहले शुक्रवार को सोमनाथ के वेरावल घाट पर बह कर आई करीब साढ़े तीन सौ करोड़ रुपए की नशीले पदार्थ की खेप बरामद हुई थी। पिछले वर्ष मुंद्रा बंदरगाह पर एक पोत के औचक निरीक्षण में करीब पंद्रह हजार करोड़ रुपए की खेप पकड़ी गई थी। इस तरह अलग-अलग जगहों से छोटी-छोटी खेपें आए दिन पकड़ी जाती हैं। निस्संदेह यह पुलिस और संबंधित नशारोधी विभागों की सक्रियता कही जा सकती है, मगर सवाल है कि इतने बड़े पैमाने पर हो रहे नशे के कारोबार पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा। नशे की पकड़ी गई बड़ी खेपों के बारे में तो खबरें सामने आ जाती हैं, मगर अंदाजा लगाना मुश्किल है कि ऐसा न जाने कितना नशीला पदार्थ निगरानी तंत्र की नजर से पार निकल जाता होगा। सवाल है कि जो स्वापक विभाग यानी नारकोटिक्स महकमा एक-दो ग्राम नशीला पदार्थ रखने वालों को गिरफ्तार कर महीनों बंद रखता है, वह इन बड़ी खेपों पर नजर रखने में विफल कैसे हो जाता है। समंदर के रास्ते नशे का कारोबार कोई छिपी बात नहीं है। यह इसलिए सुरक्षित माना जाता है कि बंदरगाहों पर उतरने वाली वस्तुओं की नियमित जांच नहीं होती। औचक निरीक्षण में कभी-कभार ही कुछ संदिग्ध वस्तुओं और नशीले पदार्थों की पहचान हो पाती है। लगातार इतने मामले प्रकाश में आने के बावजूद यह समझना मुश्किल है कि बंदरगाहों पर निगरानी चौकस क्यों नहीं की जाती। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

सपनों के पंख

अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करना भारत का पुराना सपना है। हालांकि इसके लिए संघर्ष लंबे समय से चलता आ रहा है, मगर जबसे भारतीय वैज्ञानिकों ने स्वदेशी तकनीक से अंतरिक्ष यान और उपग्रह प्रक्षेपण यानों के लिए क्रायोजेनिक इंजन का विकास किया है, तबसे इस दिशा में उल्लेखनीय सफलताएं मिली हैं। चंद्रयान और आदित्य एल-वन की कामयाबी के बाद निस्संदेह अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के हौसले बुलंद हैं। अब गगनयान मिशन को लेकर उत्साह नजर आने लगा है। प्रधानमंत्री ने इस मिशन पर जाने के लिए चार वैज्ञानिकों के नामों की घोषणा भी कर दी है। वैज्ञानिक इस मिशन को लेकर खासे सावधान हैं। गगनयान की बनावट कुछ इस तरह तैयार की गई है कि उसमें यात्रा करते हुए यात्रियों को पृथ्वी जैसे वातावरण का अनुभव हो और उन्हें सुरक्षित उतारा जा सके। फिलहाल एहतियात के तौर पर तीन मिशन भेजे जाएंगे, जिनमें से दो मानव रहित होंगे और एक में तीन यात्रियों को तीन दिन के लिए भेजा जाएगा। उन्हें समुद्र या पृथ्वी की सतह पर सुरक्षित उतार लिया जाएगा। इसके लिए तैयार किए गए गगनयान का परीक्षण सफल रहा है। यानी सब तरफ से इस मिशन की तैयारियां पूरी हैं, केवल इसके उड़ान का समय तय होना है। दरअसल, गगनयान मिशन को इसलिए महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है कि यह भारत का पहला मिशन होगा, जिसमें मानवयुक्त यान अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। इस यान को पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से तैयार किया गया है। इस तरह भारत अमेरिका, रूस, चीन जैसे देशों की श्रेणी में शुमार हो जाएगा, जो अभी तक मानवयुक्त अंतरिक्ष यान भेज चुके हैं। दूसरी उल्लेखनीय बात यह है कि भारत अगले दस वर्षों में अपना अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करना चाहता है। उसमें गगनयान का योगदान महत्त्वपूर्ण होगा। अंतरिक्ष स्टेशन का मकसद दरअसल, वहां रह कर अंतरिक्ष के रहस्यों को सुलझाना है। अभी तक भेजे गए अंतरिक्ष यानों से प्राप्त जानकारियां बहुत सीमित हैं, जबकि अंतरिक्ष का विस्तार अनंत है। दुनिया भर के अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के जिज्ञासा का विषय है कि अंतरिक्ष में क्या कोई ऐसा भी ग्रह है, जिस पर मनुष्य जैसे प्राणी रहते हैं या जहां मनुष्य के रहने की संभावना हो सकती है। अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित हो जाने से अंतरिक्ष के कई अछूते पक्षों को भी जानने-समझने का मौका मिल सकता है। उसमें गगनयान वैज्ञानिकों के स्टेशन तक आवागमन का माध्यम बन सकता है। फिर, दुनिया की बदलती स्थितियों में अंतरिक्ष अनुसंधान केवल अंतरिक्ष के रहस्यों को खोलने तक सीमित नहीं है। यह एक विस्तृत कारोबार का रूप ले चुका है। पृथ्वी पर खनिजों की उपलब्धता सीमित है, जबकि मनुष्य की जरूरतें असीमित। ऐसे में दूसरे ग्रहों पर उपलब्ध खनिजों का दोहन भी भविष्य का एक सपना है। इसके लिए दुनिया की कई निजी कंपनियां भी अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में अपने पांव पसार रही हैं। चंद्रमा और मंगल ग्रह पर ऐसे कुछ उपयोगी खनिजों के बारे में पता भी चला है। फिर, दूसरे ग्रहों पर मानव बस्तियां बसाना भी दुनिया की अनेक सरकारों का सपना है। भारत भी इसे लेकर उत्साहित है। ऐसे में गगनयान की कामयाबी भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान की दिशा में ऐतिहासिक और भविष्य की चुनौतियों के लिहाज से बहुत उपयोगी साबित होगी।

संत सुधा सागर आवासीय कन्या महाविद्यालय में अधिष्ठात्री कार्यालय का हुआ उद्घाटन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्रवण संस्कृति संस्थान सांगानेर के अंतर्गत संचालित श्री संत सुधा सागर आवासीय कन्या महाविद्यालय में आज अधिष्ठात्री व निर्देशिका श्रीमती शीला डोडया के कार्यालय का उद्घाटन श्रीमती शांता पाटनी आर के मार्बल, श्रीमती ममता सोगानी जापान वालों के द्वार किया गया ।इस अवसर पर निर्देशक शीतल प्रसाद जी, कार्याध्यक्ष प्रमोद पहाड़िया, संयुक्त मंत्री दर्शन बाकलीवाल, प्रचार्य अरुण जैन, नीना पहाड़िया, विनिता बाकलीवाल, जयपुर शहर की सभी संस्थाओं की अध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारी ट्रस्टी महिलायें उपस्थित थीं।

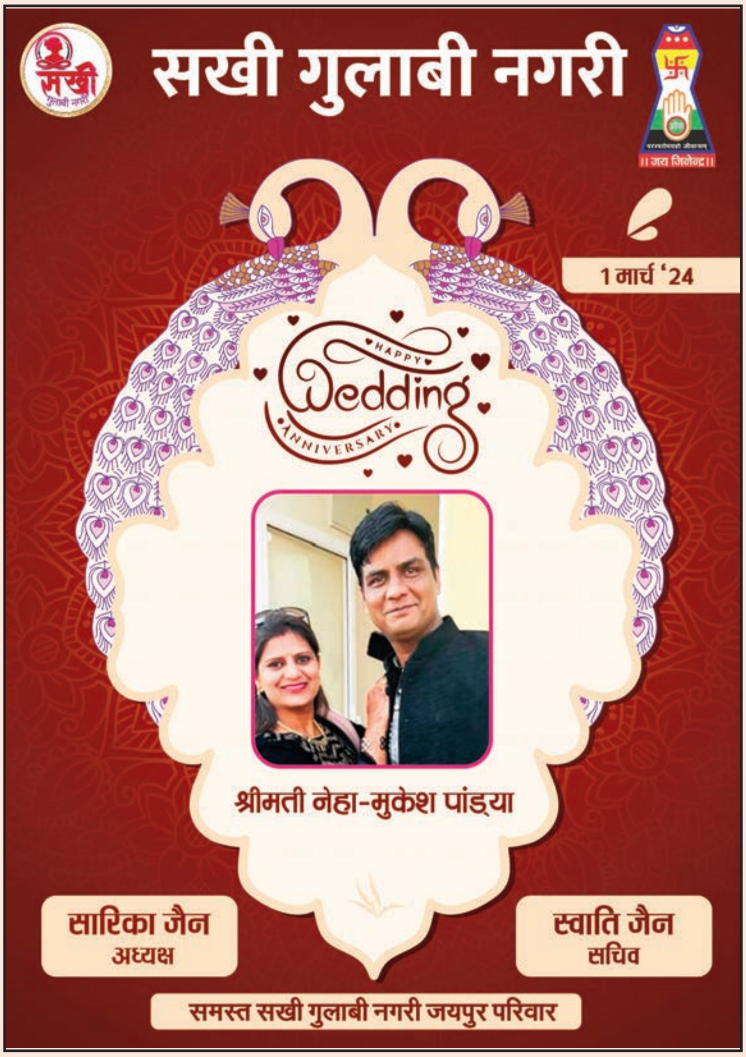

आचार्यश्री के समाधिमरण पर हुई सर्वधर्म विनयांजलि सभा

जन-जन के आराध्य अध्यात्म योगी आचार्य श्रेष्ठ विद्यासागर ने दी संस्कारों की सीख

अभिनंदनोदय तीर्थ में विनयांजलि सभा में बोले राजनेता और साधूसंत, आचार्यश्री की स्मृति में हो चौराहे का नामकरण

ललितपुर. शाबाश इंडिया

आध्यात्म योगी, उत्कृष्ठ साधक आचार्य श्रेष्ठ विद्यासागर महाराज के समतापूर्वक संलेखना समाधि पर दिगम्बर जैन समाज पंचायत समिति के तत्वावधान में अभिनंदनोदय तीर्थ पर सर्व धर्म विनयांजलि सभा में वक्ताओं ने सदी का महानतम संत बताते हुए अपनी विनयांजलि अर्पित की। प्रातःकाल जैन मंदिरों में श्रीजी के अभिषेक, शान्तिधारा के उपरान्त आचार्यश्री की पूजन एवं आचार्य छत्तीसी विधान कर आचार्यश्री के गुणों का गुणानुवाद किया गया। मध्यान्ह में विनयांजलि सभा का शुभारम्भ महंत कृष्णगिरि महाराज, ईसाई धर्म के पादरी किशोर मेथुम, सिख धर्म के ज्ञानी युवराजसिंह ने आचार्य श्री के चित्र के सम्मुख दीपप्रज्जवलित कर किया। मंगलाचरण आचार्य श्री विद्यासागर पाठशाला परिवार की बहिनों ने गुरूमक्ति पूर्वक किया। आचार्य लश्री के जीवन पर आधारित डाकूमेंन्टरी के माध्यम से उनके विराट जीवन का चित्रण मंच पर किया गया। उत्तरप्रदेश सरकार के राज्यमंत्री मनोहरलाल पंथ ने आचार्यश्री को जन-जन का संत बताते हुए उनके वियोग को राष्ट्र की अपूरणीय क्षति बताया। भारत सरकार के पूर्व केन्द्रीयमंत्री प्रदीप जैन आदित्य ने कहा आचार्यश्री के जहां -जहां चरण पड़े वहां से संस्कारों की वह धारा निकली जिससे व्यक्ति के जीवन में वह परिवर्तन आया जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती। महंत कृष्ण गिरि महाराज ने आचार्य लश्री की साधना और त्याग को आदर्श बताते हुए कहा वह संत समाज के लिए आदर्श हैं। प्रतिभास्थली की दीदी ने डोगरगढ में आचार्य लश्री की उत्कृष्ट साधना समाधी का दृश्य जब उपस्थित जनसमुदाय के सम्मुख रखा तो आंख नम हो गई। उन्होंने कहा आचार्यश्री कहीं नहीं गए हम सब के बीच हैं, सदैव आशीर्वाद उनका हमारे साथ है उनके आशीवाद से चल रहे प्रकल्पों को संबल प्रदान करने का दायित्व हम सबका है। स्मरण रहे आचार्य श्री विद्यासागर महामुनिराज की समतापूर्वक संलेखना समाधि 18 फरवरी 24 को चन्द्रगिर डोगरगढ़ में हुई जिनकी खबर से पूरी समाज स्तब्ध है। आचार्यश्री की पहिचान अपराजेय साधक के रूप में रही जिन्हें 22 वर्ष की आयु में जैनेश्वरी दीक्षा ग्रहण कर आचार्य श्री ज्ञानसागर महाराज ने 22 नवम्बर 1972 को आचार्य पद प्रदान किया। आचार्यश्री की प्रेरणा से हजारों मूक पशुओं का संरक्षण गौशाला के माध्यम से हो रहा है वहीं हजारों बालिकाएं प्रतिभास्थली में संस्कारित हो रही हैं। आचार्यश्री ने राष्ट्र हित में भारतीय शिक्षा पद्यति लागू करने, छात्र-छात्राओं की पृथक शिक्षा, चिकित्सा व्यवसाय नहीं सेवा के रूप में अपनाने के लिए समाज को प्रेरित किया। मांस निर्यात को कलंक बताते हुए भारतीय प्रतिभाओं का निर्यात रोकने के लिए समाज काआव्हान किया। विनयांजलि सभा में सांसद प्रतिनिधि दिनेश गोस्वामी ने सांसद अनुराग शर्मा की भावनाएं बताई उन्होंने नगरपालिका अध्यक्ष से आचार्य विद्यासागर महाराज की स्मृति में पार्क एवं पूर्व पार्षद भारत भूषण भीमचौरसिया ने आचार्यश्री द्वार बनाए जाने की मांग की। विहिप के रामगोपाल नामदेव ने आचार्यश्री को राष्ट्र की धरोहर बताते हुए केन्द्र सरकार को उनकी स्मृति में प्रतिवर्ष पुरस्कार की घोषणा हेतु आग्रह किया। पूर्व आईजी कारागार वी०के०जैन, नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि मुन्नालाल जैन, प्रो० भगवतनारायण शर्मा, राज्यमंत्री प्रतिनिधि चंदशेखर पंथ, पूर्व सपा जिलाध्यक्ष तिलक यादव, प्रदीप चोबे, बुंदेलखंड सेना के अध्यक्ष हरीश कपूर टीटू, पूर्व सपा जिलाध्यक्ष राजेश यादव, नरेंद्र कडंकी, अब्दुल नासिर मंजूरी, नवनीत किलेदार, लक्ष्मीनारायण विश्वकर्मा, कल्पनीत सिंह लोधी, अजय वरया पत्रकार, सिद्धार्थ भैया, कन्हैयालाल नामदेव, रंजीतसिंह, जितेन्द्र अनोरा, सेन समाज के अध्यक्ष घनश्याम सेन, फूलचंद रजक आदि ने विनयांजलि सभा में आचार्यश्री के व्यक्तित्व का गुणानुवाद कर अपनी भावनाएं रखी। दिगम्बर जैन पंचायत के अध्यक्ष डा० अक्षय टडैया, महामंत्री आकाश जैन, संयोजक सनत जैन खजुरिया, कोषाध्यक्ष सौरभ जैन सीए, मंत्री कैप्टन राजकुमार जैन, मंदिर प्रबंधक मोदी पंकज जैन, अशोक दैलवारा, सतीश नजा, प्रतीक इमलिया, राकेश जैन रिंकू सहित पदाधिकारियों ने आमंत्रित अतिथियों को प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। धर्मसभा का संचालन महामंत्री आकाश जैन भारत गैस, आलोक शास्त्री, डॉ. सुनील संचय, मधुर समैया ने सयुक्त रूप से किया। विनयांजलि सभा में पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष रमेश खटीक, गुलाम मुहम्मद गामा, मनीष अग्रवाल, समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष नैपाल सिंह यादव, डा. राजकुमार जैन, आम आदमी पार्टी से हरदयालसिंह लोधी, डॉ रामगोपाल साहू, रामलला सिकरवार, डा० एस०पी०पाठक, सरदार सुरजीतसिंह, जगतीतसिंह, पत्रकार अमित सोनी, अजित भारती, राहुल जैन, शैलेश पिन्टू अनंत सर्राफ, विजय जैन कल्लू, रवीन्द्र दिवाकर, रवि चुनगी, पार्षद सोनू पाठक, कुन्दनपाल, अशोक पंथ, जितेन्द्र राठौर, उदयप्रताप पटैल, अफजुल रहमान, मु० मुस्तफा, आलोक जैन मयूर, जगदीश यादव, रामकिंकर, रमेश कुमार गांधी ,धर्मवीर कुशवाहा पूर्व अध्यक्ष जैन समाज अनिल जैन अंचल, ज्ञानचंद इमलिया, शीलचंद अनौरा, महेन्द्र मयूर, अजय जैन साइकिल, सुरेश बडैरा, विनोद कामरा, प्रदीप सतरवांस, अखिलेश गदयाना, राजेन्द्रजैन थनवारा, मंगू पहलवान, मनोज बबीना, श्रीश सिंघई, संजय रसिया , जितेंद्र जैन राजू, शुभेंदु जैन बंट आदि मौजूद रहे। मेडिकल कॉलेज का आचार्यश्री के नाम पर रखने की मांग : ललितपुर में बन रहे मेडिकल कॉलेज व हवाई अड्डे का नाम आचार्य श्री विद्यासागर जी के नाम पर रखे जाने की मांग जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री से की गई है।

विद्यासागर स्मृति द्वार बनाने की मांग:

ललितपुर। विभिन्न संगठनों ने आचार्य विद्यासागर के नाम पर स्मृति द्वार बनाने की मांग नगर पालिका से की है। विभिन्न संगठनों ने अध्यक्ष नगर पालिका व अधिशासी अधिकारी को पत्र सौंपा। अध्यक्ष नगर पालिका व अधिशासी अधिकारी को पत्र भी सौंपा। इन संगठनों में जिला उद्योग व्यापार मंडल, स्माल स्केल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, भारत विकास परिषद, रामराजा व्यायाम मंदिर समिति, कमंडल सेवा मंडल, प्रेस क्लब रजिस्टर, दयोदय पशु संरक्षण केंद्र गोशाला ललितपुर, भाजपा का अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ, श्रीवीर व्यायामशाला एवं जिमनेजियम, बाहुबली सेवा संघ शामिल रहे। **-डॉ सुनील संचय**

इटर्नल हॉस्पिटल

EHCC ETERNAL HEART CARE CENTRE & RESEARCH INSTITUTE

जवाहर सर्कल और सांगानेर

एवं

दिगंबर जैन महासमिति एवं दिगंबर जैन समाज कीर्ति नगर

(पश्चिम सम्भाग) के सहयोग से

निःशुल्क मल्टी-स्पेशलिटी चिकित्सा परामर्श शिविर

निःशुल्क जांचे: बीपी, शुगर, बीएमआई, ईसीजी

शिविर में उपल्ब्ध सुविधायें:

- हृदय रोग विशेषज्ञ
- हड्डी रोग विशेषज्ञ
- जनरल मेडिसिन
- नेत्र रोग विशेषज्ञ
- स्त्री रोग
- दंत चिकित्सा

दिनांक: 2 मार्च 2024/ समय: प्रातः09 बजे से दोपहर 01 बजे तक

स्थान: दिगंबर जैन मंदिर कीर्ति नगर, टोंक रोड, जयपुर

नोट: कृपया शिविर में अपनी पुरानी बीमारी का रिकॉर्ड साथ मे लेकर आयें।

संपर्क सूत्र: भागचंद जैन (अध्यक्ष कीर्ति नगर इकाई), राजकुमार छाबड़ा (मंत्री कीर्ति नगर इकाई) | अरुण काला (अध्यक्ष कीर्ति नगर मदिर), जगदीश जैन (मंत्री कीर्ति नगर मदिर) | निर्मल कुमार संघी (अध्यक्ष), महेंद्र छाबड़ा (मंत्री), मनोज गोधा (कोषाध्यक्ष), विनोद बाकलीवाल (संयोजक)

3ए,जवाहर सर्किल के पास, जयपुर-302017, अभिषेक चौधरी, इटर्नल हॉस्पिटल 9251650989

श्री प्रद्युम्न जी-श्रीमती कामिनी जी जैन

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

Happy Anniversary

1 मार्च' 24

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या

संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका

सचिव: राजेश - रानी पाटनी

कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन

सांस्कृतिक सचिव: कमल-मंजू ठोलिया

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

श्री वीरभद्र-श्रीमती नीता जी बज

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

Happy Anniversary

1 मार्च' 24

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या

संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका

सचिव: राजेश - रानी पाटनी

कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन

सांस्कृतिक सचिव: कमल-मंजू ठोलिया

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त के लिए गणित और विज्ञान में एक मजबूत नींव बनाने का महत्व

विजय गर्ग

गणित और विज्ञान में एक ठोस आधार विकसित करना शिक्षा के गतिशील परिदृश्य में शैक्षणिक उपलब्धि की आधारशिला है। एक घुमावदार भूलभुलैया में नेविगेट करने का रोमांच याद है, जब आप मायावी निकास की खोज करते हैं तो प्रत्याशा से दिल की धड़कन बढ़ जाती है? अब उस भूलभुलैया की कल्पना करें जो विशाल समीकरणों, जटिल रासायनिक यौगिकों और टिक-टिक करती घड़ी के दबाव से भरी हुई है। जेईई, एनईईटी और सीयूईटी जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की दुनिया में आपका स्वागत है, जहां गणित और विज्ञान में महारत हासिल करना इस उच्च जोखिम वाले खेल में आपकी तलवार और ढाल बन जाता है। आज की बढ़ती प्रतिस्पर्धी दुनिया में, गणित और विज्ञान में एक ठोस आधार विकसित करना शैक्षणिक उपलब्धि की आधारशिला के रूप में कार्य करता है। शिक्षा के गतिशील परिदृश्य में, जहां नवाचार परंपरा से मिलता है, गणित और विज्ञान में उत्कृष्टता की खोज शैक्षणिक उपलब्धि की आधारशिला के रूप में खड़ी है। मैं अनगिनत शिक्षार्थियों को इस यात्रा पर निकलते हुए देखता हूँ, प्रत्येक चेहरे पर दृढ़ संकल्प तो होता है लेकिन अक्सर चिंता और अनिश्चितता का बोझ होता है। हिंदुस्तान टाइम्स - ब्रेकिंग न्यूज के लिए आपका सबसे तेज स्रोत! अभी पढ़ें। हालांकि रास्ता कठिन लग सकता है, लेकिन बढ़ती प्रतिस्पर्धी दुनिया में आगे बढ़ने के लिए आशा की एकमात्र किरण गणित और विज्ञान में एक ठोस आधार विकसित करना है। इन मूलभूत कौशलों को विकसित करना केवल शिक्षार्थियों को प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए तैयार करने के बारे में नहीं है, बल्कि यह उन्हें महत्वपूर्ण विचारक, समस्या समाधानकर्ता और भविष्य के नेता बनने के लिए सशक्त बनाने के बारे में है, और कुंजी युवा शुरूआत करना है। चिंगारी जल्दी क्यों प्रज्वलित करें? कल्पना करें कि एक युवा मन जिज्ञासा से भरा हुआ है, जो अपने आस-पास की दुनिया का पता लगाने के लिए उत्सुक है। गणित और विज्ञान का प्रारंभिक अनुभव न केवल उस जिज्ञासा को जगाता है, बल्कि यह बाद में जटिल अवधारणाओं को समझने के लिए एक ठोस आधार भी तैयार करता है। सफलता का आधारः गणित और विज्ञान अपने मस्तिष्क को एक शानदार महल के रूप में सोचें, और गणित और विज्ञान इसकी नींव बनाते हैं। हल किया गया प्रत्येक समीकरण, और किया गया प्रत्येक प्रयोग, इसकी दीवारों को मजबूत करता है, आपको किसी भी चुनौती पर विजय पाने के लिए आवश्यक आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान कौशल से लैस करता है। ये विषय मात्र कदम नहीं हैं, ये वे स्तंभ हैं जो आपकी भविष्य की सफलता की संपूर्ण संरचना को संभाले हुए हैं। कल्पना कीजिए कि आप पुरानी रणनीतियों और अनुमानों के अलावा किसी और चीज से लैस एक चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिता में प्रवेश कर रहे हैं। ऐसे ही बहुत से शिक्षार्थी केवल रटकर याद करने पर निर्भर रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेते हैं। लेकिन जैसे एक कुशल योद्धा बिना तैयारी के युद्ध में नहीं उतरता, उन्हें एक शक्तिशाली शस्त्रागार की आवश्यकता होती हैः कठोर अभ्यास और व्यक्तिगत मार्गदर्शन के माध्यम से गणित और विज्ञान अवधारणाओं की गहरी समझ। ये विषय सार्वभौमिक भाषाएं हैं, जो तर्क, डेटा और वास्तविकता के मूल रहस्यों को खोलती हैं। उनमें महारत हासिल करने से शिक्षार्थियों को विश्लेषणात्मक कौशल, लेजर-तेज फोकस के साथ समस्याओं का पुनर्निर्माण करने की क्षमता और नवीन समाधान तैयार करने की रचनात्मकता मिलती है। यह कौशल सेट केवल परीक्षाओं के लिए ही मूल्यवान नहीं है; यह उन्हें इंजीनियरिंग और चिकित्सा से लेकर डेटा विज्ञान और उद्यमिता तक किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए तैयार करता है। एक ऐसे मंच की कल्पना करें जो एक बुद्धिमान गुरु की तरह शिक्षार्थी की सीखने की गति को अनुकूलित करता है, उनकी ताकत और कमजोरियों को सटीकता के साथ इंगित करता है। एआई टूल्स द्वारा संचालित और अनुभवी शिक्षकों द्वारा निर्देशित यह व्यक्तिगत सीखने की यात्रा, उन्हें अपनी पूरी क्षमता को अनलॉक करने में मदद करती है। वे समीकरण और सूत्र, जो एक समय कठिन थे, आकर्षक पहेलियों में बदल जाते हैं, जो हल होने की प्रतीक्षा में हैं, रटकर याद करने से नहीं, बल्कि पूछताछ-आधारित शिक्षा के माध्यम से,वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग, और सहयोगी गतिविधियाँ। शिक्षार्थी के परिणाम पर निर्मित यह दृष्टिकोण - 'बच्चा सीखा की नहीं' - केवल परीक्षा-केंद्रित ड्रिलिंग के माध्यम से नहीं, बल्कि आकर्षक अन्वेषण के माध्यम से महत्वपूर्ण सोच और समस्या-समाधान कौशल विकसित करने पर केंद्रित है। प्रतिस्पर्धात्मक बढ़तः जेईई, एनईईटी और सीयूईटी जैसी परीक्षाएं एक शिक्षार्थी के करियर की प्रगति में महत्वपूर्ण मील के पत्थर हैं। ये मूल्यांकन गणित और विज्ञान में उनकी दक्षता, वर्षों के समर्पण से निखारे गए कौशल को प्रदर्शित करने के अवसर हैं। छोटी उम्र से ही आलोचनात्मक सोच कौशल को विकसित करके, वे विश्लेषणात्मक परिशुद्धता के साथ समस्याओं से निपटना, जटिल परिदृश्यों का विश्लेषण करना और नवीन समाधान निकालना सीखते हैं। इसी तरह, समस्या-समाधान उन्हें अप्रत्याशित चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक लचीलेपन और अनुकूलन क्षमता से लैस करता है, जो प्रतिस्पर्धी माहौल में एक महत्वपूर्ण संपत्ति है। याद रखें, गणित और विज्ञान में एक मजबूत नींव सिर्फ शैक्षणिक अवसरों के द्वार नहीं खोलती है; यह सीखने और पूछताछ के लिए आजीवन प्रेम पैदा करता है। शिक्षार्थियों को किसी भी वातावरण में सफल होने के लिए आवश्यक उपकरणों से लैस करके, हम उन्हें सफलता के लिए अपना रास्ता तय करने और अपनी पूरी क्षमता को अनलॉक करने के लिए सशक्त बनाते हैं। ''रेडी, सेट, लीड'' की यात्रा सहयोग से शुरू होती है।

खुश रहने का सीधा मंत्र-उम्मीद अपने आपसे रखो किसी और से नहीं : आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी (राज.) की पावन धरा पर साधनारत भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में आज की शांतिधारा करने का सौभाग्य लालचंद जैन रामनगर वाले निवाई एवं विश्वास बंसल नैनवां वालों ने प्राप्त किया। विज्ञातीर्थ क्षेत्र पर यात्रीगणों ने दर्शनों का लाभ प्राप्त किया। पूज्य गुरु माँ अनशन व्रत अर्थात उपवास कर अपनी चर्या व साधना को उत्कृष्टता की ओर बढा रही है। प्रवचन सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को धर्म का सदुपदेश देते हुए माताजी ने कहा कि - दिल में बुराई रखने से बेहतर है कि नाराजगी जाहिर कर दो। जहां दूसरों को समझाना कठिन हो, वहां खुद को समझ लेना ही बेहतर है। खुश रहने का सीधा सा एक ही मंत्र है कि उम्मीद अपने आपसे रखो, किसी और से नहीं क्योंकि इस संसार में हर किसी को अपने ज्ञान का घमण्ड है परन्तु किसी को भी अपने घमण्ड का ज्ञान नहीं है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com